दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 05-05-2026

न्यूज ब्रीफ

कला समाज का दर्पण होती है : प्रो. रामपाल सैनी

जींद| सीआरएसयू में ललित कला विभाग की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी का सोमवार को समापन हो गया। प्रदर्शनी में मूर्तिकला, पेंटिंग एवं स्केचिंग जैसी विभिन्न विधाओं में तैयार की गई कलाकृतियों ने दर्शकों को आकर्षित किया। वीसी प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि कला प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनकी संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना को भी विकसित करती हैं। कला समाज का दर्पण होती है और विद्यार्थियों को अपनी रचनाओं के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. विशाल वर्मा ने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का भी कार्य करती है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित करती हैं। इस अवसर पर प्रो. कुलदीप नारा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश बंसल, ओएसडी डॉ. विजय कुमार, डॉ. अतुल, वीरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

Date-05.05.2026

सीआरएसयू में कला प्रदर्शनी का समापन

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी सोमवार को संपन्न हो गई। अंतिम दिन विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कला कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनी में मूर्तिकला, पेंटिंग एवं स्केचिंग जैसी विभिन्न विधाओं में तैयार की गई कलाकृतियों ने सभी दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

कला प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी व अन्य अधिकारी। • सौ. सीआरएसयू

कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि इस प्रकार की कला प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनकी संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना को भी विकसित करती हैं। कला समाज का दर्पण होती है और विद्यार्थियों को अपनी रचनाओं के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. विशाल वर्मा ने कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का भी कार्य करती है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित करती हैं। परीक्षा नियंत्रक डा. राजेश बंसल ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम होती हैं और उन्हें अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करती हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपनी कला को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर डा. विजय कुमार, डा. अतुल सहारनपुर, वीरेंद्र आचार्य भी मौजूद रहे।

WWW.YUGMARG.COM
REGD NO. CHD/0061/2006-08 | RNI NO. 61323/95

TUESDAY
MAY 5, 2026
CHANDIGARH
VOL. 31, NO. 97
12 PAGES, ₹2.00

SCAN QR CODE FOR EPAPER

YUGMARG

Follow us on
@yugmarg.news
@yugmarg
@yugmargtv
@yugmarg
@yugmarg
@yugmarg

✦CHANDIGARH ✦PUNJAB ✦HARYANA ✦HIMACHAL PRADESH ✦DELHI ✦JAMMU & KASHMIR ✦UTTARAKHAND

'Five-Day Art Exhibition,' organised by Department of Fine Arts

SHIV KUMAR SHARMA
JIND, MAY 4

On the final day of the 'Five-Day Art Exhibition,' organized by the Department of Fine Arts under the guidance of the Vice-Chancellor of Chaudhary Ranbir Singh University, Jind—Prof. Ram Pal Saini—an exceptional display of students' creativity and artistic skills was witnessed. The exhibition featured artworks created in various disciplines—such as sculpture, painting, and sketching—which particularly captivated the audience and offered art enthusiasts a unique and distinct experience. Students and faculty members from various departments of the university visited the exhibition; they admired the artworks created by the students and offered words of encouragement to boost their morale. Each artwork presented in the exhibition carried within itself a unique story and a profound message, compelling the viewers to pause and reflect.

University Vice-Chancellor Prof. Ram Pal Saini stated that such art exhibitions not only hone the students' talents but also foster their sensitivity and social consciousness. He remarked that art serves as a mirror of society, and students should strive to bring about positive change through their creative works.Dean of Academic Affairs, Prof. Vishal Verma, lauded the students, observing that art is not merely a medium of self-expression but also serves to provide direction to society. He further added that such activities play a pivotal role in the holistic development of students and inspire them to cultivate creative thinking. Prof. Kuldeep Nara also commended the students' efforts, noting that every artwork encapsulates a specific message within itself—a message that is vital to comprehend and convey to society.

अमर उजाला
हर सवेरे नया जोश नया उजाला

Date-05.05.2026

विद्यार्थियों की कलाकृतियों ने मोहा मन

चौधरी रणबीर सिंह विवि में पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी का हुआ समापन

विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग। संवाद

विद्यार्थियों की बनाई पेंटिंग का अवलोकन करते कुलपति प्रो. रामपाल सैनी। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी का सोमवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी के अंतिम दिन भी विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कला कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। मूर्तिकला, पेंटिंग और स्केचिंग जैसी विभिन्न विधाओं में तैयार की गई कलाकृतियों ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि कला समाज का दर्पण होती है। इस तरह के आयोजन न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारते हैं बल्कि उनमें संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का भी विकास करते हैं।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. विशाल वर्मा और प्रो. कुलदीप नारा ने कहा कि कला समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी कला के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उजागर करने के लिए प्रोत्साहित किया।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि ऐसे मंचों से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें नई ऊंचाइयों तक जाने की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. विजय कुमार, डॉ. अतुल सहारनपुर और वीरेंद्र आचार्य ने भी कलाकृतियों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ललित कला विभाग के संकाय सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया।

Date-05.05.2026

कला समाज का दर्पण, सामाजिक चेतना को करती है विकसित : वीसी

सीआरएसयू में पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी का समापन

जींद, 4 मई (हप्र)

जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में ललित कला विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी के अंतिम दिन सोमवार को भी विद्यार्थियों की रचनात्मकता और कला कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनी में मूर्तिकला, पेंटिंग एवं स्केचिंग जैसी विभिन्न विधाओं में तैयार की गई कलाकृतियों ने सभी दर्शकों को आकर्षित किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से आए विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने प्रदर्शनी देखी और विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि इस प्रकार की कला प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनकी संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना को भी विकसित करती है।

जींद के चौ. रणबीर सिंह विवि में कला प्रदर्शनी के समापन समारोह में वीसी प्रो. रामपाल सैनी। -हप्र

कला समाज का दर्पण होती है और विद्यार्थियों को अपनी रचनाओं के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. विशाल वर्मा ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का भी कार्य करती है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित करती हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम होती हैं।